सिटी कलस्टर इकोनोमिक डेवलपमेंट – भारत के केसों का अध्ययन

रा.न.का.सं., ए.पी.डी.एस. तथा एस.पी.एम.एस. द्वारा तैयार रिपोर्ट

एशियाई विकास बैंक द्वारा समर्थित

फरवरी 2010

सिटी कलस्टर इकोनोमिक डेवलपमेंट – (सी.सी.ई.डी.) प्रयास एक स्थानीय आर्थिक विकास कार्यनीति है जिसे एशियाई विकास बैंक (एशियन डेवलपमेंट बैंक – ए.डी.बी.) द्वारा आरंभ किया गया है। इसने प्रायोगिक केसों के रूप में भारत, बांग्लादेश व श्रीलंका के शहरी क्षेत्रों के प्रतिस्पर्धात्मक उद्योग कलस्टरों तथा तुलनात्मक लाभ और कमियों को पहचानकर विश्लेषणात्मक रूपरेखा को विकसित करने के लिए 'सिटी कलस्टर इकोनोमिक डेवलपमेंट इन साउथ एशिया' नामक एक अध्ययन आरंभ किया।

इस रिपोर्ट में दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एन.सी.आर.), भारत की विश्लेषणात्मक रूपरेखा शामिल है। यह भारतीय शहरों के प्रतिस्पर्धा का विश्लेषण प्रस्तुत करता है तथा शहरी प्रतिस्पर्धा की अवधारणा के बढ़ते महत्व को रेखांकित करता है। यह केन्द्रीय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (सेंट्रल नेशनल केपीटल रीजन – सी.एन.सी.आर.) की आर्थिक विकास की रूपरेखा प्रस्तुत करता है जिसे प्रायोगिक अध्ययन के लिए चुना गया है। इसमें क्षेत्र के उच्च संभावना वाले क्षेत्रों के रूप में चार

शहरी कलस्टरों की पहचान की गई, जिनके नाम है - ऑटो कंपोनेट, जर्नल इंजीनियरिंग, रेडीमेड गारमेंटस तथा सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं।

इस अध्ययन में तीन चयनित उद्योग कलस्टरों के विश्लेषण शामिल हैं – रेडीमेड गारमेंटस, ओखला, लाईट इंजीनियरिंग, फरीदाबाद, तथा ऑटोमोटिव कम्पोनेंट, गुड़गांव। यह अध्ययन उद्योग आपूर्ति श्रृंखला तथा इसकी कमियों का विश्लेषण करता है। इसमें तीन कलस्टरों के लिए भागीदारी कार्य योजना तैयार की तथा यह सुझाव देता है कि एन.सी.आर. में सतत विकास के महत्वपूर्ण सफल कारकों को प्राप्त करने के लिए क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में उपर्युक्त कलस्टरों के द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के लिए संपूर्ण समर्थन आवश्यक है।